

आदेश की क्र० सं० तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
<u>13/06/25</u>	<u>आदेश</u> <u>वा. सं. 57/25</u> <u>B.N.S.S. 163</u> उभय पक्ष द्वारा दाखिल कारण पत्रों का अध्ययन करने, उभय पक्ष द्वारा दाखिल राजस्व कागजातों का अवलोकन करने, अंचल अधिकारी, सचिवा के औचक निवेदन का अध्ययन करने तथा उभय पक्ष के विन आधिकारिकता के दलीलों को सुनने के उपरान्त मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचता हूँ कि उभय पक्ष स्वातिमान के आधार पर उक्त भूमि पर अपना दावा करते हैं। तथा द्वितीय पक्ष किस् आधार पर भूमि पर अपना दावा करते हैं। यह स्पष्ट नहीं है। द्वितीय पक्ष ना तो कारण पत्रों में अपना दावा का आधार बतलाते हैं और ना ही कोई स्वत्व या राजस्व संबंधी साक्ष्य प्रस्तुत करते हैं। वर्जित परिप्रेक्ष्य में वाद- शत भूमि पर उभय पक्ष का दावा अधिक मजबूत प्रतीत होता है अतः नियमों को उभय पक्ष के हित में रिक्त (vacate) किया जाता है तथा द्वितीय पक्ष के विरुद्ध संयुक्त किया जाता है।	

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	प्रमाणित पत्र सशम न्यायालय में वाद दाखल करने हेतु स्वतंत्र है। उक्त आदेश के साथ ही वाद की कार्यवाही समाप्त घोषित की जाती है। वैरपापित एवं संशोधित  13/06/16 SDM Bagodar Sainig  13/06/16 SDM Bagodar Sainig	